

नाटो-रूस परषिद वार्ता

प्रलिस के लयल:

नाटो, नाटो-रूस परषिद, यूरोपीय संघ (EU), रोड घोषणा ।

डेनस के लयल:

रूस-यूक्रेन संकट, नाटो, नाटो-रूस संबध ।

चरचा डें क्यौं?

हाल ही डें 'उत्तरी अटलांटिक संधिसंगठन' (नाटो) और रूस के डधय बरुसेलस डें नाटो-रूस परषिद (NRC) डें **यूक्रेन की डोजूदा स्थतल** और यूरोप की सुरक्षा हेतु इसके नहलतलरथौं पर चरचा की गई ।

- नाटो और रूस के परतनलधलतल के डीच वार्ता डनल कसल सडषट परणलड के सडनन हुई ।

परडुख डदल

■ नाटो-रूस परषिद

- 'नाटो-रूस परषिद' की स्थाडनल 28 डई 2002 को रोड (रोड घोषणा) डें नाटो-रूस शखलर सडडेलन डें की गई थी ।
 - इसने स्थाडी संयुक्त परषिद (PJC) कल स्थाडन लतल, जो कल आपसी संबधौं पर वरष 1997 के नाटो-रूस स्थाडनल अधनलडड डवलरल परलडरश और सहडडड हेतु एक डंघ है ।
- 'नाटो-रूस परषिद' परलडरश, सरवसडडतननरलडण, सहडडड, संयुक्त नरलणड और संयुक्त करररवलई हेतु एक तंतर है, कसलडें वडकतगलत नाटो सदसड रलकड और रूस सडलन हतल के सुरक्षा डुददौं के वडलडक सडकटरड पर सडलन डलगीदलर के रूड डें कलड करते हैं ।

■ डैठक की डुखड वशलषतलएँ:

- नाटो ने यूरोड डें एक नए सुरक्षा सडडडूते की रूस की डलंग को खलरकल कर दतल, रूस को यूक्रेन के डलस तैनलत सैनकलौं को वलडस लेने और खुले संघरष के खतरे को कड करने हेतु डलतकूलत डें शलडलल होने की कूनूती दी ।
 - अडेरकल और यूरोपीड संघ के लतल यूक्रेन रूस के सलथ एक डहततुवडूरण डडर के रूड डें करड करता है । यूक्रेन ओकलकल डें और दूसरल डरदतलसक डें एक नूसैनकल अडडल डी डनल रहल है, कसलसे रूस खुश नही है ।
- रूस ने नाटो डें और सदसडौं को शलडलल करने तथल अपने डूरवी सहडडडगलतल से डशकलडी तलकतौं को वलडस लेने की डलंग की । इसने डह डी केलतलवनी दी कल इससे "यूरोपीड सुरक्षा के लतल सडसे अडरतुडलशतल और सडसे डडलनक परणलड" हो सकते हैं ।
 - नाटो सहडडडगलतल और रूस के डधय अतुडधकल डतडेद हैं कनलहें डलटनल आसलन नही होगल ।

■ रूस-यूक्रेन संकट पर डलरत कल रुख:

- डलरत डशकलडी शकतुतलतल दवलरल करीडडतल डें रूस के हसतकषेड की नदल डें शलडलल नही है तथल इस डुददे पर उसने अपना एक तटस्थ रुख रखल ।
- नवंडर 2020 डें डलरत ने **संयुक्त रलषटर (UN)** डें यूक्रेन दवलरल डूरलडडकतल एक डूरसतलव के खलललड डतदलन कतल, कसलडें करीडडतल डें कथतल डलनवलधकलर उल्लंघन की नदल की गई थी तथल रूस दवलरल इसकल सडरथन कतल गतल थल ।

उत्तर अटलांटिक संधिसंगठन (नाटो):

- नाटो की स्थाडनल 4 अपरैल, 1949 की उत्तरी अटलांटिक संधल (कसल वलशगलटन संधल डी कल डलतल है) दवलरल संयुक्त रलकड अडेरकल, कनलडल और कई डशकलडी यूरोपीड देशौं दवलरल सलवतलत संघ के खलललड सलडूहकल सुरक्षा डूरदलन करने के लतल की गई थी ।
- नाटो सलडूहकल रकषल के सदलधलंत पर कलड करता है, कसलकल तलतडूरड 'एक डल अधकल सदसडौं पर आकरडण सडी सदसड देशौं पर आकरडण डलनल डलतल है । कडलतलवड है कल डलह नाटो के अनुकषेद 5 डें नहलतल है ।
- वरष 2019 तक इसके सदसड देशौं की संखडल 30 थी । वरष 2017 डें डूँटेनेगुरो इस गठडंधन डें शलडलल होने वललल नवीनतड सदसड देश डन गतल है ।



NATO

// MEMBER COUNTRIES

आगे की राह

- स्थिति का एक व्यावहारिक समाधान मनिस्क शांति प्रक्रिया को पुनर्जीवित करना है। इसलिये पश्चिमि (अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों) को दोनों पक्षों के बीच बातचीत फरि से शुरू करने तथा सीमा पर शांतिबिहाल करने हेतु मनिस्क समझौते के अनुसार अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिये प्रेरित करना चाहिये।
- यूरोपीय सुरक्षा को हो रहे नुकसान, मानवीय और आर्थिक लागतों को मजबूत करने तथा यूक्रेन की संप्रभुता के लिये खतरे को रोकने हेतु अमेरिका को सभी पक्षों के साथ एक ओएससीई-मध्यस्थता प्रक्रिया में सीधे शामिल होने के लिये समझौता कीकरना चाहिये

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/nato-russia-council-talks>